बीए अर्थशास्त्र

Semester 01 (Paper 01)

लागत का सिद्धांत (Theory of Costs)- अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन लागतें

उत्पादन लागत का अर्थ

उत्पादन के साधनों का प्रयोग करने के लिए जो धनराशि व्यय करनी पड़ती है उसे उत्पादन लागत कहते हैं।

लागत फलन (Cost Function)

उत्पादन की मात्रा (Output) एवं ***उत्पादन लागत (Cost)*** के बीच फलनात्मक संबंध को लागत फलन कहते हैं।

उत्पादन लागत उत्पादन की मात्रा का फलन है।

$$C = f(O)$$

C – लागत O – उत्पादन की मात्रा

लागत का वर्गीकरण (Classification of Cost)

लागत को तीन प्रमुख वर्गों में बांटा गया है:

1. मौद्रिक लागत (Money Cost)
2. वास्तविक लागत (Real Cost)
3. अवसर लागत (Opportunity Cost)

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@theeconomicsguru*

मौद्रिक लागत (Money Cost)

किसी फर्म द्वारा एक वस्तु के उत्पादन में किए गए कुल मुद्रा व्यय को मौद्रिक लागत कहते हैं।

उत्पत्ति के समस्त साधनों के मूल्य को यदि मुद्रा में व्यक्त कर दिया जाए तो उत्पादक इन सात उत्पत्ति के साधन की सेवाओं को प्राप्त करने में जितना कुल व्यय करता है मौद्रिक लागत कहते हैं।

जैसे:

कच्चे माल पर व्यय, श्रमिकों की मजदूरी एवं वेतन, ब्याज भुगतान, किराया, मरम्मत व्यय, प्रबंधन व्यय, विज्ञापन व्यय, यातायात व्यय आदि।

मौद्रिक लागतों के प्रकार (Types of Money Cost)

मौद्रिक लागत में तीन प्रकार की होती है

1. स्पष्ट लागते (Explicit Costs)
2. अस्पष्ट लागत (Implicit Costs)
3. सामान्य लाभ (Normal profit)

कुल मौद्रिक लागत = स्पष्ट लागत + अस्पष्ट लागत + सामान्य लाभ

स्पष्ट लागते (Explicit Cost)

ऐसे सभी व्यय हैं जिनका भुगतान उत्पादक द्वारा उत्पादन क्रिया के दौरान दूसरों को करना होता है, स्पष्ट लागते कहते हैं।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

लेफ्टविच के अनुसार, “स्पष्ट लागते वे नकद भुगतान है जो फर्मों द्वारा बाहरी व्यक्तियों को उनकी सेवाओं तथा वस्तुओं के लिए किए जाते हैं”।

जैसे:

= कच्चे माल पर व्यय, श्रमिकों की मजदूरी, उधार ली गई पूंजी पर व्यय, भूमि का किराया, विज्ञापन व्यय आदि।

अस्पष्ट या सन्निहित लागते (Implicit Cost)

इनमें उत्पादक के व्यय सम्मिलित होते हैं जिनका उत्पादक को प्रत्यक्ष रूप से भुगतान नहीं करना होता है।

इनमें उन सेवाओं एवं साधनों की कीमतों को सम्मानित किया जाता है जिनका उत्पादन प्रयोग तो करता है किंतु प्रत्यक्ष रूप से उसकी कीमत नहीं चुकाता। ऐसे साधनों एवं सेवाओं की लागतों को सन्निहित लागतों के रूप में जाना जाता है।

जैसे: एक उद्यमी की स्वयं की सेवा, एक किसान द्वारा स्वयं के खेत में की गई मजदूरी

सामान्य लाभ (Normal Profit)

उत्पादकों उत्पादन में बनाए रखने के लिए जिस न्यूनतम लाभ की आवश्यकता होती है, वह न्यूनतम लाभ सामान्य लाभ कहलाता है।

यह न्यूनतम लाभ राशि यदि उत्पादक को प्राप्त नहीं होती, तब वह उत्पादन कार्य बंद कर देगा और स्वयं भी एक वेतनभोगी बनने का प्रयास करेगा।

वास्तविक लागत (Real Cost)

वास्तविक लागत की धारणा का प्रतिपादन **प्रो. मार्शल** ने किया था।

किसी उत्पादन प्रक्रिया के अंतर्गत होने वाले कष्ट एवं त्याग वास्तविक लागत उत्पन्न करते हैं। वास्तविक लागतों को ***सामाजिक लागत*** भी कहा जाता है क्योंकि समाज को वस्तुओं के उत्पादन में कष्ट का सामना करना पड़ता है।

मार्शल के शब्दों में, "किसी वस्तु के उत्पादन में विभिन्न प्रकार के श्रमिकों को जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रत्न करने पड़ते हैं अथवा साथ ही वस्तु के उत्पादन में प्रयोग की जाने वाली पूंजी को संचित करने में संयम अथवा प्रतीक्षा करनी पड़ती है, में सब प्रयत्न अथवा त्याग मिलकर वस्तु की वास्तविक लागत कहलाते हैं"।

THE ECONOMICS GURU

अवसर लागत (Opportunity Cost)

अवसर लागत की अवधारणा का विकास वास्तविक लागत के विचार में संशोधन करके हुई।

प्रो. बेनहम के शब्दों में, "किसी भी वस्तु की अवसर लागत वह सर्वश्रेष्ठ विकल्प है, जिसका उत्पादन उन्हीं उत्पत्ति साधनों के द्वारा उसी लागत पर उस वस्तु के विकल्प के रूप में किया जा सकता है"।

इस प्रकार, किसी साधन की अवसर लागत का भी प्राय उस साधन के दूसरे सर्वश्रेष्ठ वैकल्पिक प्रयोग में मिलने वाला मूल्य है।

लागत की अवधारणायें (Concepts of Cost)

उत्पादन लागतों को दो वर्गों में बांटा जा सकता है:

अल्पकाल में उत्पादन लागत

अल्पकाल में उत्पादन लागतें दो प्रकार की होती है- स्थिर लागतें एवं परिवर्तनशील लागते

दीर्घकाल में उत्पादन लागत

दीर्घकाल में कोई साधन स्थिर नहीं होता केवल परिवर्तनशील लागते होती है।

अल्पकाल में उत्पादन लागतों की अवधारणायें

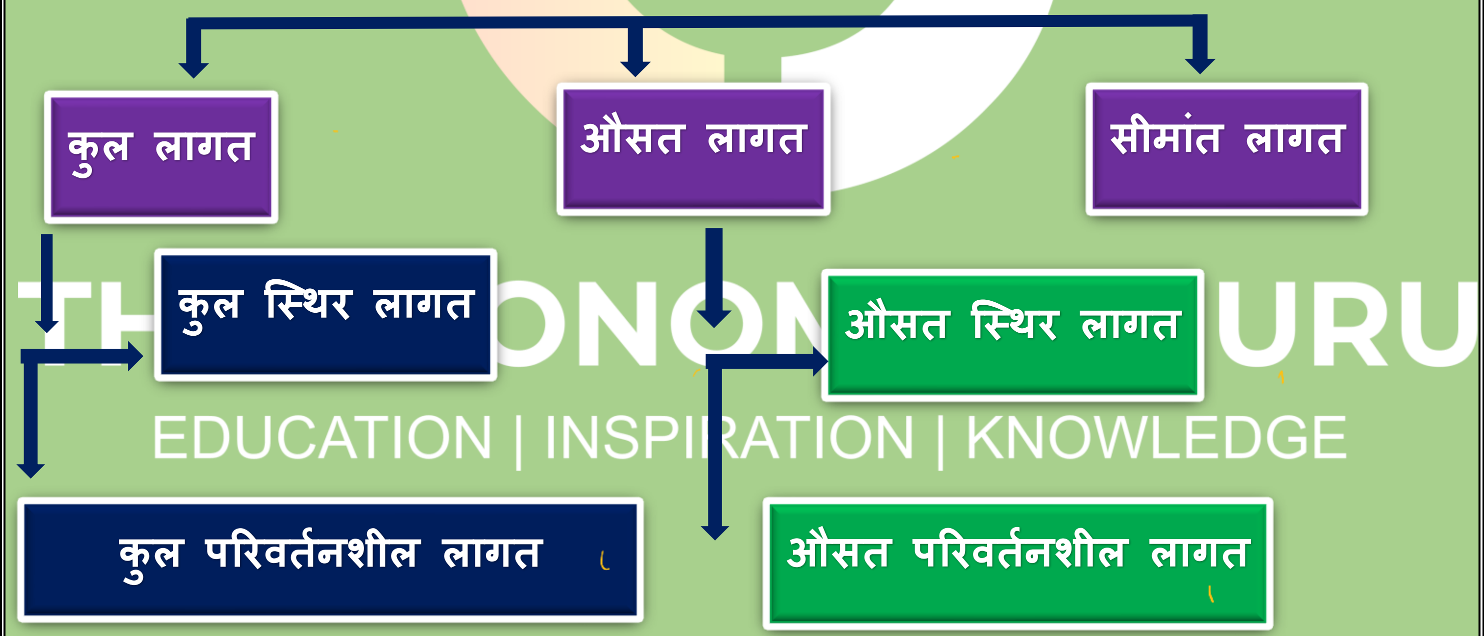

कुल स्थिर लागत (Total Fixed Cost) - TFC

स्थिर लागत उस कुल खर्च का जोड़ है जो उत्पादक उत्पादन के स्थिर साधनों की सेवाओं को खरीदने या भाड़े पर लेने के लिए खर्च करनी पड़ती है।

स्थिर लागत उत्पादन के आकार से अप्रभावित रहती है। उत्पादन स्तर शून्य होने पर भी उत्पाद को स्थिर लागतों का भुगतान करना पड़ता है।

TFC = TC - TVC

Q	TFC
0	200
1	200
2	200
3	200

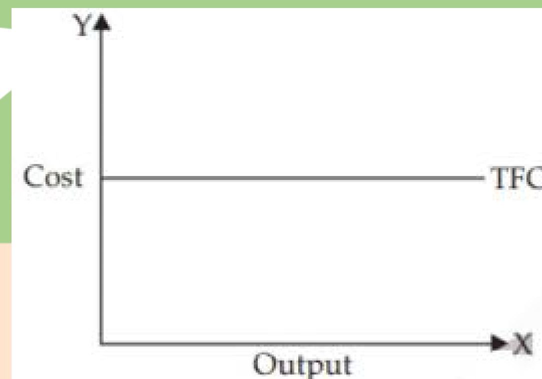

कुल परिवर्तनशील लागत (Total Variable Cost) - TVC

परिवर्तनशील लागत वह लागत है जो उत्पादन को उत्पादन के घटते बढ़ते साधनों के प्रयोग के लिए खर्च करनी पड़ती है।

परिवर्तनशील लागत का आकार उत्पादन की मात्रा पर निर्भर करता है। अर्थात जैसे जैसे उत्पादन में वृद्धि होती है, परिवर्तनशील लागतों में भी वृद्धि होती जाती है।

TVC = TC – TFC

Q	TVC
0	00
1	40
2	60
3	80

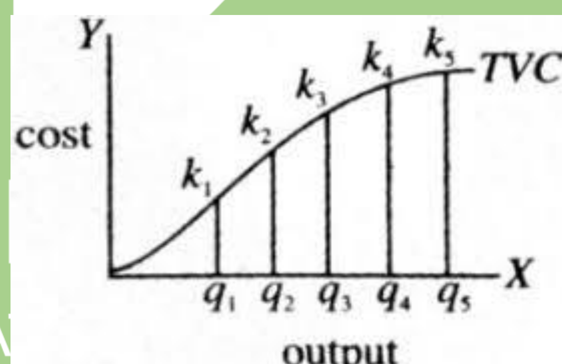

कुल लागत (Total Cost – TC)

किसी वस्तु की एक निश्चित मात्रा का उत्पादन करने के लिए उत्पादक को जितनी कुल व्यय करने पड़ते हैं, उनके जोड़ को कुल लागत कहते हैं।

कुल स्थिर लागत तथा कुल परिवर्तनशील लागत के योग को कुल लागत कहा जाता है।

TC = TFC + TVC

Q	TFC	TVC	TC
0	200	00	200
1	200	40	240
2	200	60	260
3	200	80	280

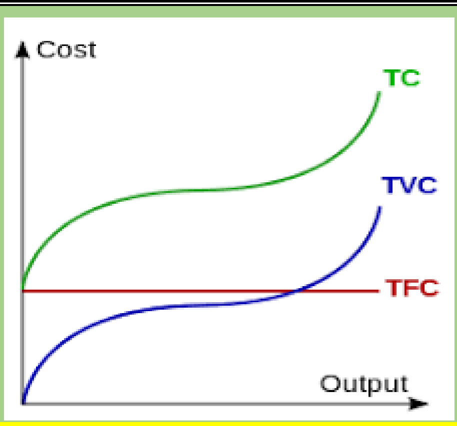

अल्पकालीन औसत लागतें

औसत लागत (Average Cost – AC)

किसी वस्तु की प्रति इकाई लागत को औसत लागत कहा जाता है।

कुल लागत (TC) को उत्पादन मात्रा (Q) से भाग देकर प्राप्त भागफल को औसत लागत (AC) कहते **हैं।** **AC** $= \frac{TC}{Q}$

अल्पकाल में औसत लागत (AC) औसत स्थिर लागत (AFC) तथा औसत परिवर्तनशील लागत (AVC) का योग होती है। AC= AFC+ AVC

Q	TC	AC
0	200	200
1	240	240
2	260	130
3	280	140

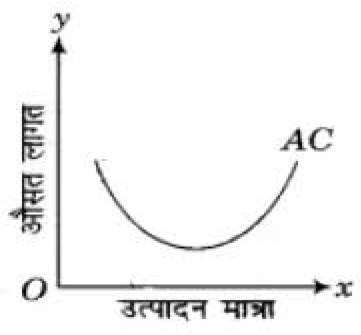

औसत स्थिर लागत (Average Fixed Cost – AFC)

यदि उत्पादन की कुल स्थिर लागत (TFC) को उत्पादन की मात्रा (Q) से भाग दे दें तो हमें औसत स्थिर लागत (AFC) की प्राप्ति होती है। **AFC** $= \frac{TFC}{Q}$

औसत स्थिर लागत उत्पादन के बढ़ने पर घटती है क्योंकि कुल स्थिर लागत (TFC) स्थिर रहती है। जिसके कारण उत्पादन की मात्रा में बढ़ने से औसत स्थिर लागत (AFC) घटती चली जाती है।

Q	TFC	AFC
0	200	-
1	200	200
2	200	100
3	200	66.66

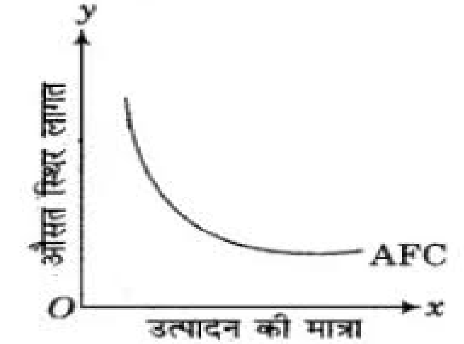

औसत परिवर्तनशील लागत (Average Variable Cost – AVC)

औसत परिवर्तनशील लागत, कुल परिवर्तनशील लागत एवं उत्पादन की मात्रा का भागफल होती है।

AVC = $\frac{TVC}{Q}$

Q	TVC	AVC
0	00	-
1	40	40
2	60	30
3	80	26.6

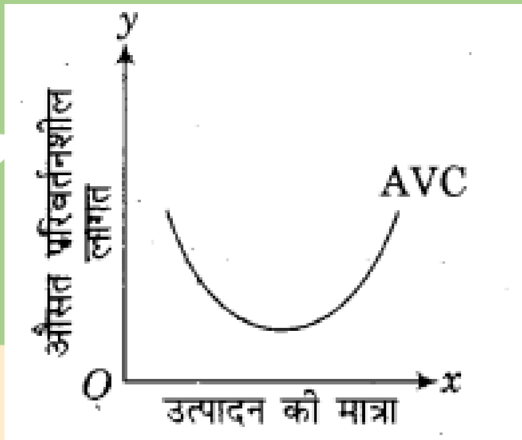

सीमांत लागत (Marginal Cost – MC)

सीमांत का अभिप्राय है - एक अतिरिक्त।

एक अतिरिक्त इकाई का उत्पादन करने से कुल लागत में जितनी वृद्धि होती है, उसे उस इकाई विशेष की सीमांत लागत कहते हैं।

सीमांत लागत केवल परिवर्तनशील लागतों पर निर्भर करती है, स्थिर लागतों पर नहीं।

$MC_n = TC_n - TC_{n-1}$

Q	TC	MC
0	200	-
1	240	40
2	260	20
3	280	20

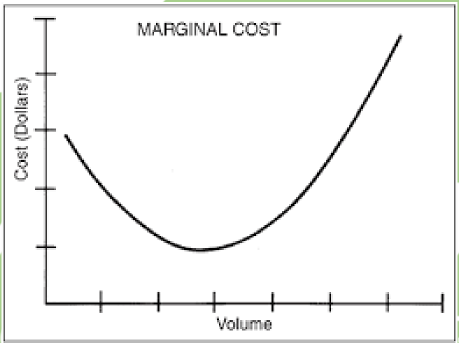

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

औसत लागत (AC) एवं सीमांत लागत (MC) में संबंध

- औसत लागत (AC) एवं सीमांत लागत (MC) दोनों की गणना कुल लागत (TC) द्वारा की जाती है।

AC = $\frac{TC}{Q}$

MC = $\frac{\Delta TC}{\Delta Q}$

- जब औसत लागत वक्र गिरता है, तब सीमांत लागत वक्र एक सीमा तक गिरता है, किंतु एक अवस्था के बाद सीमांत लागत बढ़ना आरंभ हो जाता है। (MC < AC)
- जब औसत लागत न्यूनतम होती है, तब सीमांत लागत वक्र औसत वक्र को नीचे से काटता है। अर्थात न्यूनतम औसत लागत सीमांत लागत के बराबर होती है। (MC = AC)
- जब औसत लागत बढ़ता है तो सीमांत लागत वक्र औसत लागत से ऊपर होते है एवं साथ ही साथ औसत लागत से तीव्र गति से बढ़ता है। (MC > AC)

दीर्घकालीन लागते (LONG TERM COSTS)

दीर्घकाल में उत्पादन की दशाएं अल्पकाल के उत्पादन दशाओ से भिन्न होती है। दीर्घकाल में उत्पादन के साधनों को परिवर्तनशील साधन और स्थिर साधन में नहीं बांटा जा सकता क्योकि दीर्घकाल में उत्पादन के सभी साधन परिवर्तनशील होते है।

इसलिए उत्पादन की मात्रा को बढाने के लिए उत्पादन के सभी साधनों की मात्रा को बढ़ाया जा सकता है अर्थात दीर्घकाल में एक फर्म ओने संयंत्र के आकार में भी परिवर्तन कर सकती है ।

दीर्घकाल में लागते तीन प्रकार की होती है:

- दीर्घकालीन कुल लागत (Long Term Total Cost – LTC)
- दीर्घकालीन औसत लागत (Long Term Average Cost – LAC)
- दीर्घकालीन सीमांत लागत (Long Term Marginal Cost – LMC)

दीर्घकालीन कुल लागत (Long Term Total Cost – LTC)

दीर्घकाल में सभी लागते परिवर्तनशील होती है। दीर्घकालिन कुल लागत किसी वस्तु के उत्पादन में प्रयुक्त सभी साधनों की लागतों का जोड़ होती है।

दीर्घकालीन औसत लागत (Long Term Average Cost – LAC)

दीर्घकालीन औसत लागत, दीर्घकालीन कुल लागत को उत्पादन की कुल मात्रा से भाग देने पर ज्ञात की जाती है

प्रो. जे.एन. बेन के अनुसार, "दीर्घकालीन औसत लागत वक्र वह वक्र है जो दीर्घकाल में उत्पादन के प्रत्येक संभव स्तर के लिए न्यूनतम लागत को प्रकट करता है।"

दीर्घकाल में प्रत्येक फर्म विभिन्न आकर के प्लांटों का प्रयोग कर सकती है । एक निश्चित उत्पादन की मात्रा के लिए एक विशेष प्रकार का संयंत्र उपयुक्त है क्योकिं उस संयंत्र की सहायता से उत्पादन करने से औसत लगात न्यूनतम होती है । दीर्घकाल में एक उत्पादक उस संयंत्र से उत्पादन करेगा जिससे औसत लागत न्यूनतम हो जाये।

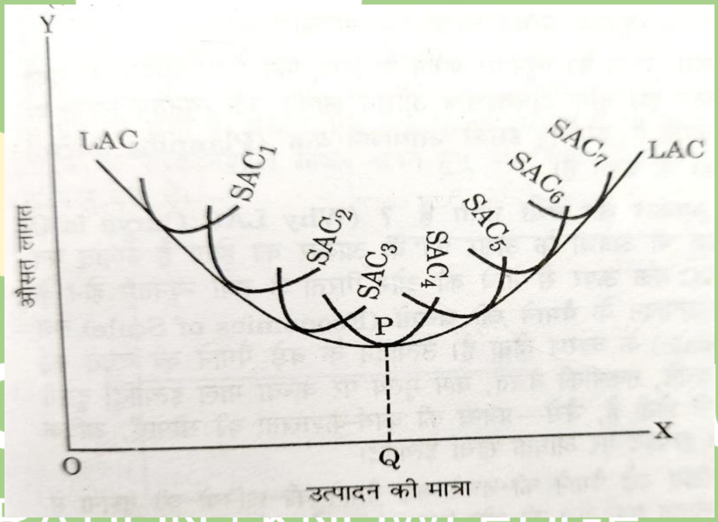

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

दीर्घकालीन औसत लागत की विशेषताएं:

- दीर्घकालीन औसत लागत (LAC) विभिन्न अल्पकालीन औसत लगत वक्रों से मिलकर बना है।

- दीर्घकालीन औसत लागत (LAC) वक्र अंग्रेजी शब्द 'U' आकार का होता है। समय में वृद्धि के साथ इसका आकार चपटा होता जाता है
- दीर्घकालीन औसत लागत (LAC) सभी अल्पकालीन औसत लागत वक्रों को उनके न्यूनतम बिंदु पर सपर्श नहीं करता है
- दीर्घकालीन औसत लागत (LAC) सदैव अल्पकालीन औसत लागत वक्रों से नीचा रहता है अर्थात दीर्घकालीन औसत लागत (LAC) सदैब कम होता है

दीर्घकालीन सीमांत लागत (Long Term Marginal Cost – LMC)

दीर्घकाल में उत्पादन की एक अतिरिक्त इकाई उत्पन्न करने में कुल लागत में जो वृद्धि होती है उसे उस अतिरिक्त एक इकाई की सीमांत लागत कहते हैं।

चित्र

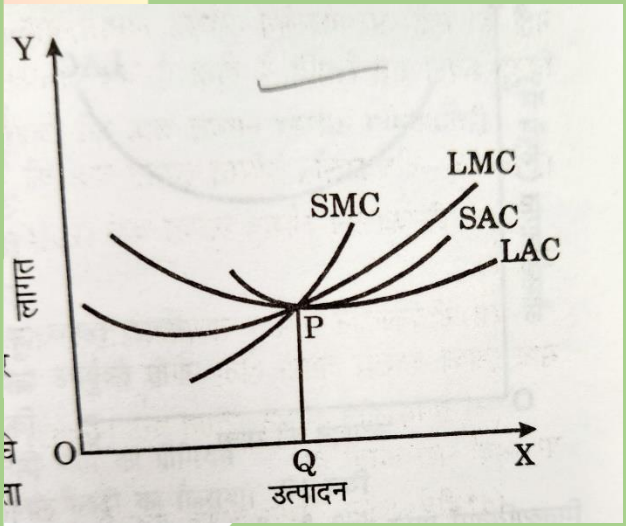

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@theeconomicsguru*

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE